99.99,99%

एक अमीर-एक गरीब

लेखक की राय—पाठकों के नाम

अमीरी और कामयाबी किसी की बपौती नहीं हैं, जाहिर है कि आप भी इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। यह कतई जरूरी नहीं कि आप थोड़े-से या फिर पहले ही प्रयास में मंजिल पा लेने में कामयाब हो जावें। हो सकता है कि कई बार नाकामयाबियों का मुँह देखना पड़े। परन्तु यह तब होता है जब आपकी योजना और निर्णय में कहीं त्रुटि रह गई हो। गंभीरता आपके चेहरे पर नहीं, निर्णय में होनी चाहिए थी। और हकीकत में आधी-अधूरी योजना के बूते पर किसी भी व्यवसाय की तैयारी करना समय की बरबादी के अलावा कुछ भी नहीं है। योजना, किसी भी कार्य का केन्द्रबिन्दु होती है। इसलिए मंजिल के बारे में सोचने और उस तक पहुँचने के बीच जो एक लम्बा फासला होता है वह फासला कार्य-योजना (Working Plan) पर अमल करने पर ही मिट सकता है, क्योंकि कोई भी भला इंसान अचानक अमीर नहीं बन सकता। अमीरी की पटकथा (योजना) लिखने वाला इंसान भले ही गरीब के घर में पैदा हुआ हो, परन्तु उसकी भाषा तो अमीरी की होनी चाहिए, और यही अमीरी की भाषा (सोच) उसको मंजिल तक पहुंचाती है। अमीरी के महत्त्वपूर्ण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पटकथा, कार्य-योजना बनाना तो जरूरी है ही लेकिन उससे भी कहीं अधिक जरूरी है—उस कार्य-योजना पर अमल करना। आप अमीरी की कार्य-योजना पर काम कर रहे हो, यह तो महत्त्वपूर्ण है ही, परन्तु इससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि आपके

इरादे, सपने और विचार क्या हैं? इरादे, सपने और विचार साफ हैं तो सफलता भी स्वच्छ प्रतिबिम्ब (Clear Image) की तरह नजर आयेगी। दिशाहीन लक्ष्य और निर्णय कभी भी भविष्य का निर्माण नहीं कर सकते।

दुनिया का हर इंसान अपनी औलाद और परिवार को सभी सुख-सुविधाएँ देना चाहता है। इंसान को भोजन, नींद और स्वास्थ्य के अलावा किसी चीज की आवश्यकता और आकांक्षा है तो अमीरी के साथ-साथ महान् और नम्बर वन बनने की। ऐसे इंसान अपने जीवन का मिशन, अमीरी का मिशन बना लेते हैं और कुछ असाधारण कर दिखाते हैं। वे जीवन को दूसरे नजरिए से देखते हैं, अपना रास्ता अलग से चुनते हैं, जिससे उनके व्यापार में सोच का नयापन जबरदस्त कामयाबी दिलाता है। जिन्दगी में उनकी सफलता इस बात से नहीं नापी जाती कि दूसरों के मुकाबले वे कैसा कर रहे हैं, बल्कि इस बात से नापी जाती है कि वे अपनी क्षमताओं की सीमा की तुलना में क्या कर रहे हैं? वे जानते हैं कि भगवान् ने अक्ल और अमीरी की कोई सीमा तय नहीं कर रखी है। वे सिर्फ नसीब के भरोसे बैठकर जीवन दुःखी नहीं करते, क्योंकि वे जानते हैं कि नसीब कोरी कल्पना है। अतः सफल इंसान का मुकाबला खुद से ही होता है, वे अपने काम में सुधार लाकर अपना ही रिकार्ड तोड़ते हैं और लगातार तरक्की के रास्ते खोजते रहते हैं।

जीत के लिए खेलने वाले लोगों में जितना कड़ा मुकाबला होगा, उतनी ही ज्यादा तैयारी करते हैं और जो हार बचाने के लिए खेलते हैं, जीवन जीने के लिए काम करते हैं, वे कड़े मुकाबले में अपनी स्वाभाविक क्षमता खो बैठते हैं और कहीं गलती कर बैठते हैं। ऐसे इंसान हारने के डर से अपनी पूरी क्षमताओं का इस्तेमाल नहीं कर पाते, क्योंकि हार को बचाने और जीत के लिए खेलने में पूरी क्षमता के इस्तेमाल का ही अन्तर होता है। फुटबाल के बड़े मैच में जीतने वाली टीम गोल के अवसर बनाकर सामने वाली टीम पर धावा बोलती है। जीतने वाली टीम अवसर बनाती है। जबकि हारने वाली टीम अवसर गँवाती है। कुछ इंसान बरसात में नहाते हैं, कुछ सिर्फ भीगते ही हैं, परन्तु इनमें से अधिकतर इंसान भीगने से डरते हैं।

काम करने वालों और लगन के साथ काम करने वालों में जो अन्तर होता है, वही अन्तर अमीरी और गरीबी में होता है। अमीरी और कामयाबी कोरी संयोग की बात नहीं है। यह हमारी सोच और नजरिए का ही नतीजा है, जिसे हम खुद चुनते हैं। इसलिए सफलता एक चुनाव और सिस्टम की बात है, जो हम अपनाते हैं। सफलता कोई पहेली या अजूबा नहीं है जिसको हल करके उसका परिणाम निकाल सकें बल्कि यह तो सिर्फ कुछ बुनियादी उसूलों का लगातार पालन करने का नतीजा है। इसका उलटा भी उतना ही सही है जितना कि बुनियादी उसूलों की लगातार अनदेखी करने से होता है। अमीरी का मंत्र है परिश्रम, लगन और अनुभव से लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊँची उड़ान भरना और एक का भी साथ छूटना कामयाबी में बाधक होता है।

कामयाबी और अमीरी के लिए जिस तरह शतरंज के खेल में आप दुनिया (शतंरज) के स्वामी होते हैं, जहाँ मोहरे आपकी मर्जी के मुताबिक चलते हैं। इस खेल में जिस तरह भाग्य नाम की कोई चीज नहीं होती—इसमें आप अच्छा खेलते हैं तो ही जीतते हैं। इसी तरह जिन्दगी की कामयाबी व अमीरी की लड़ाई में जीतने के लिए भी नियमों की पालना, सतर्क रहना, धैर्य एवम् योजना के साथ एकाग्रचित्त होने के साथ-साथ अन्तिम दम तक प्रयास करते रहने की आवश्यकता रहती है। विरोधी राजा के किले को ध्वस्त करने का एक बड़ा लक्ष्य रहता है। शतरंज की बाजी जीतने के लिए प्यादे और मोहरों की संख्या से ज्यादा उनकी स्थिति और एक-दूसरे पर जोर के काफी मायने होते हैं। उसी तरह जिन्दगी में अमीरी की सफलता के लिए प्यादों (Manpower) और मोहरों (Experts) द्वारा कुशल प्रबन्धन के जरिए अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत बनाए रखने का रास्ता भी दिखलाते हैं। परन्तु इसके लिए उन सभी चालों (Planning) की जानकारी होनी चाहिए जिनमें विरोधी पक्ष द्वारा चली गई चालों (निर्णयों—Decisions) के परिणाम दूसरे पक्ष को साफ दिखाई देते हैं, परन्तु एक या दो चालें ऐसी होती हैं जो सामने वाले प्रतिद्वन्द्वी को दिखाई नहीं पड़ती हैं। जो मौजूद है उसे तो सभी देख सकते हैं, परन्तु भविष्य को देखने वाला ही अमीर होता है। महत्त्वपूर्ण है—ऐसी एक-दो चालों को पकड़ने की—जिनमें कामयाबी, अमीरी और जीत का राज छुपा होता है। सम्भव है कि कभी-कभी इस राज को खोलने की कुंजी (Key) आपके

पास नहीं हो—तो इस राज को जानने वाले विशेषज्ञों की कमी नहीं है—जिनकी सेवाओं से आप अपनी मंजिल को आसानी से हासिल कर सकते हैं। अँधेरी सुरंग में भटकने से बेहतर है कि समय रहते ही आप एक जीत का लक्ष्य निर्धारित कर लें। कहते हैं कि मुट्ठी में रेत नहीं रुकती, लेकिन समय रहते अगर मुट्ठियों को ठीक ढंग से बन्द कर लिया जाए तो रेत को बहुत-कुछ बचाया जा सकता है। उम्मीद की किरणें हर जगह पर, हर स्थान पर हमेशा बाकी रहती हैं जिससे मेहनत द्वारा वापिस रेत को समेटा जा सकता है। काम न करने की कीमत से ज्यादा महत्त्वपूर्ण काम करने की कीमत से है।

कुछ लोग मानते हैं कि कामयाबी के लिए गॉडफादर होना जरूरी है। गॉडफादर यानी ऐसा इंसान जो आपको उछाल कर शिखर पर बैठा दे। यह गलतफहमी है। कोई किसी को उठाकर नहीं बैठाता और यदि कोई ऐसा करता भी है तो आपके अन्दर न्यूनतम योग्यता के बिना ऐसा करना असम्भव है। गॉडफादर का मिल पाना, न मिल पाना आपके वश में भी नहीं। हाँ, रोल मॉडल का ढूँढ़ पाना आपके हाथ में है। रोल मॉडल यानी ऐसा आदर्श पुरुष, स्त्री या पुस्तक जिससे सीखने की प्रेरणा मिलती हो। आदर्श पुरुष और स्त्री तो आपके माँ-बाप ही हैं, हाँ, यह पुस्तक भी आपकी रोल मॉडल हो सकती है। मेरा दावा ही नहीं, बल्कि वचन देता हूँ कि इस किताब को आप जितनी बार समझते हुए पढ़ेंगे—तो आपको कोई ताज्जुब नहीं होगा कि कोई एक सूत्र अचानक मिल जाए, जो अमीरी का रास्ता हो सकता है। आपको इस किताब से ऐसे फार्मूले को ढूँढ़ निकालना होगा जो आपकी जिन्दगी का हल हो। परन्तु फार्मूले के एक-एक सवाल को बड़ी सूझबूझ से हल करना पड़ेगा, क्योंकि कब कहाँ चूक हो जाए, अमीरी का जोड़ सिफर हो सकता है। स्वयं का मूल्य दूसरों के मापदण्डों पर आधारित नहीं होता है। आप तभी योग्य हो सकते हैं, जब आप अपनी काबिलीयत मुखरित करते हैं। खुद को परिभाषित करने के लिए इंसान को दूसरों से प्रमाण-पत्र की आवश्यकता नहीं पड़ती। मित्रों, रिश्तेदारों, उच्च अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों द्वारा बनाए गए नियमों के आधार पर स्वयं को पिछड़ा हुआ मत समझो। अपनी परिभाषा स्वयं परिभाषित करो। इस किताब के एक-एक पन्ने को बार-बार पढें, अपने मित्रों के साथ पढ़ें—विशेषज्ञों और मित्रों से सलाह-मशवरा करें और हर

मोड़ पर अपने दोस्तों से चर्चा करते ही रहें। क्योंकि अक्ल नापने का कोई पैमाना नहीं होता—न ही किन्हीं जन्मजात गुणों पर आधारित होता, बल्कि यह समय पर आधारित होता है। कुदरत ने सभी अमीर और गरीब इंसानों को एक जैसा दिमाग दिया है, परन्तु गलत दिशा के चुनाव के कारण, सही दिशा का सामना ही नहीं होता, कारण कि गलत दिशा आपस में कहीं मिलती ही नहीं। अमीर इंसान एक गलती के बाद सुधार कर लेता है, लेकिन गरीब इंसान एक गलती के बाद दूसरी और फिर तीसरी गलती कर रहा होता है। अवसर सभी के जीवन में आते हैं। यह किताब आपको अवसर ढूँढ़ने में मदद करेगी। असाधारण अक्लमन्दी के धनी इंसान अवसरों को कहीं भी ढूँढ़ सकते हैं, जबकि साधारण इंसान अवसरों को गंवा देते हैं, उनको अवसर दिखते नहीं हैं, ऐसा साधारण इंसान तो सिर्फ अपना जीवन गुजारने की गारण्टी खोजता है—नौकरी करता है। मेरी राय है कि इस किताब को जितनी बार पढ़ोगे, आप में अमीर बनने का जुनून सवार होगा और एक मूलमन्त्र घर कर जायेगा कि तुलना में हम किसी से कम नहीं हैं। सामने वाले से ज्यादा बेहतर ही हैं। फिर देखें कि कौन रोक सकेगा—आपको अमीर होने से। ईश्वर ने जब मस्तिष्क और हाथ दिए हैं तो व्यापार को लाभ में परिवर्तित करने की क्षमता भी दी है। इसलिए इस किताब को पढ़ो और आगे बढ़ो—परन्तु पक्के और मजबूत लक्ष्य के साथ।

आप गरीब इसलिए नहीं हैं कि आप अमीर के घर पैदा नहीं हुए, बल्कि इसलिए हैं कि आपको अमीरी की भाषा ही नहीं आती।

..... और अन्त में यह न भूलें कि अमीर इंसान अपनी औलाद को खाने की टेबल पर अमीरी की भाषा सिखलाता है जबकि मध्यमवर्गी और गरीब इंसान अपने बच्चों को खाना खाने के सलीके सिखाता है। बस, यही फर्क, अन्त में—अमीर और गरीब में रह जाता है। आप इस नियम को भूल जाते हैं कि आपका बच्चा आपका भविष्य है। आप इस नियम को भी भूल जाते हैं कि अनुभव ज्ञान से ज्यादा कीमती होता है। अनुभव जीवन से और ज्ञान अच्छी पुस्तकों से मिलता है और अन्त में आप इस नियम को भी भूल जाते हैं कि ज्ञान ढिंढ़ोरा पीटने से नहीं मिलेगा। वह मात्र मनन और चिंतन से भी नहीं आयेगा। बल्कि जीवन में कठोर मेहनत,

बड़ा लक्ष्य, लगन, उच्च शिक्षा, जिन्दगी के अच्छे–बुरे अनुभवों और उच्च कोटि की किताबों से ही आ सकता है, जो इंसान को जीने की कला सिखलाती हैं।

विश्वास कीजिए—आप चाहें तो आसमान की ऊँची से ऊँची उड़ान भर सकते हैं। याद रखें, कामयाब वही होते हैं जिनकी लोग कल्पना नहीं कर सकते। विजेता वही होते हैं जो कुछ खास होते हैं। खास वही होते हैं जो हिम्मती होते हैं, जो नया करने की हिम्मत रखते हैं। हिम्मती वही होते हैं जो आम (99.99,99 प्रतिशत) इंसान नहीं होते। एक बार इंसान यह धार ले कि वह नया कुछ कर सकता है तो उसके चलते रहने से राह में खुद–ब–खुद पता चल जाता है कि उसको कामयाबी की ऊँची उड़ान भरने में किसी भी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़ेगा। आप क्या करेंगे—यह तो महत्त्वपूर्ण है ही, परन्तु इससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि आपके इरादे, सपने और सोच (Idea) साफ हैं कि नहीं? आपका बच्चा इम्तिहान में कितनी ऊँची रेंक लाया है, यह इतना महत्त्वपूर्ण नहीं, जितना महत्त्वपूर्ण यह है कि उसका इरादा, सपना, विश्वास और लक्ष्य कितना बड़ा है। दिशाहीन लक्ष्य और निर्णय में ढुलमुल रवैया रहते कभी भी भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। क्योंकि अन्धकार से घिरा हुआ इंसान, दिशाहीन होकर चाहे कितनी भी तेज दौड़ लगाए, सफलता की मंजिल तो वह हरगिज ही प्राप्त नहीं कर सकता, क्योंकि उसकी मंजिल ही विपरीत दिशा में है।

किताब की सारभूत बात यही है कि यह किताब भी कोई जादुई चिराग से कम नहीं है। जिसको पढ़ने से हर बार एक नया जिन्न प्रकट होगा और एक नया आइडिया देगा जो क्रिया का पिता होता है (Idea is the father of action)। इस जिन्दगी के खेल में, जिसे हम जिन्दगी कहते हैं, बस, हमें एक बड़ा मौका मिलेगा। परन्तु इस मौके का कोई ड्रेस रिहर्सल या रिवाइन्डिंग बंटन नहीं होगा, जिसे घुमाकर दोबारा देखा जा सके, सुधारा जा सके। बस, हमें एक ही अच्छा मौका (अवसर) मिलता है—जिस पर हमारी जिन्दगी, दावँ पर लगी होती है और साथ में आने वाली पीढ़ियाँ भी। निर्णय आपको करना है—पैसा बनाना है कि पैसा कमाना है।

हम पूरी दुनिया में अमीरी और कामयाबी की भाषा को तीन भागों में बाँट सकते हैं:—

(1) पहला भाग : जिनकी कोई कमाई नहीं। इसमें आते हैं—
नवयुवक बेरोजगार और मजदूर

(2) दूसरा भाग : नौकरीपेशा और अति साधारण बिजनैसमैन
ये पैसा कमाते हैं (They Earn Money)

(3) तीसरा भाग : अमीर और कामयाब इंसान। ये पैसा बनाते हैं—
कमाते नहीं
(They produce money—not earn money)

पहला और दूसरा भाग मिलकर बनता है:—

दुनिया का 99.99,99 प्रतिशत इंसान।

जबकि तीसरे भाग में रह जाते हैं—0.00,01 प्रतिशत लोग, जो कि पैसा बनाते हैं ना कि पैसा कमाते हैं।

They produce money—not earn money

—लेखक